DAINIK BHASKAR, Surat, 28.7.2021
Page No. 1, Size:(21.06)cms X (15.74)cms.

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

सूरत सेक्शन पर सभी सर्वे पूरे, 120 जगह पाइलिंग पूरी, 8 किमी अलाइनमेंट भी बना

हाई स्पीड कोरोना धीमा काम हुआ तेज | 350 मशीनों से 1900 लोग बना रहे बुलेट का रास्ता, अगले माह बनने लगेंगे पिलर

भास्कर ग्राउंड रिपोर्ट

लवकुश मिश्रा | सूरत

- वक्ताणा-अंत्रोली गांव में 8 किमी कॉरिडोर बनाने में 35 हैवी मशीनें लगीं
- सूरत-नवसारी और भरूच में जमीन कांट्रैक्टर को सौंपी जा चुकी
- इसी महीने पिलर के लिए फाउंडेशन कैप बननी शुरू होगी

देश की महत्वाकांक्षी मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के काम ने कोरोना के धीमे पड़ते ही रफ्तार पकड़ ली है। बारिश के दौरान भी काम चालू है। 1900 लोग काम में लगे हुए हैं। (508 किमी) के बुलेट ट्रेन हाईस्पीड कॉरिडोर के सूरत में 57 किमी सेक्शन पर अलाइनमेंट बनने लगा है। वलसाड से सूरत के बीच लगभग 350 हैवी मशीनें काम में लगाई हुई हैं। इनमें से 35 मशीनें सूरत जिले के अंदर काम कर रही हैं। सर्वे का काम पूरा कर लिया गया है। अब सिविल वर्क चल रहा है। दैनिक भास्कर से मौके पर एक अधिकारी ने बताया कि सूरत के वक्ताणा से अंत्रोली गांव के बीच 8 किमी के कॉरिडोर अलाइनमेंट तैयार कर लिया गया है। वक्ताणा और अंत्रोली के बीच 120 पाइल वर्क पूरे कर लिए गए हैं। अगले महीने से जमीन के ऊपर पिलर दिखने शुरू हो जाएंगे। अंत्रोली गांव में बुलेट ट्रेन साइट का कार्यालय बनाया गया है। बुलेट ट्रेन का यह हिस्सा वापी से वडोदरा तक के 237 किमी रूट में आता है। इसे सी-4 पैकेज में शामिल किया गया है। इस रूट में वापी, बिलिमोरा, सूरत एवं भरूच में बुलेट ट्रेन के स्टेशन बनाए जाएंगे। सूरत में डिपो बनेगा। इसके अलावा 14 नदी क्रॉसिंग, 42 सड़क क्रॉसिंग और 6 रेलवे क्रॉसिंग बनाई जाएंगी। भरूच और वडोदरा के बीच 350 मीटर लंबी पहाड़ी सुरंग का भी निर्माण किया जाएगा।

सूरत में बुलेट ट्रेन के लिए ये कार्य

- 120 लोकेशन पर पाइल वर्क पूरा
- 57 किमी में सिविल कार्य शुरू
- 1900 लोग काम में लगे
- 350 हैवी मशीनरी तैनात

सूरत सेक्शन में 57 किमी का कॉरिडोर शामिल, सबसे पहले इसे तैयार करने के लिए काम तेज किया जा रहा

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के एक अधिकारी ने बताया कि बुलेट का निर्माण कार्य सेक्शन के अनुसार किया जा रहा है। इसमें सूरत वाले सेक्शन में 57 किमी का रूट शामिल है। इस सेक्शन में वक्ताना से अंत्रोली गांव के बीच बन रहे अलाइनमेंट की लंबाई लगभग 8 किमी है। यहां हमने 120 पाइल वर्क पूरे कर लिए हैं। अब सिविल कार्य शुरू कर दिया गया है। लेबर शेड और कॉन्ट्रैक्टर साइट ऑफिस भी बन गया है। 1900 लोग काम में लगे हैं। वक्ताणा और अंत्रोली गांव में 300 श्रमिक लगातार काम कर रहे हैं। डेडलाइन तक काम पूरा कर लेने की योजना है।

2024 तक पूरा करना है काम नदियों में भी सॉइल टेस्टिंग जारी

एक तरफ बुलेट कॉरिडोर का रूट आकार लेने लगा है तो वहीं दूसरी तरफ इस ताप्ती, नर्मदा आदि बड़ी नदियों पर ब्रिज बनाने के लिए सॉइल टेस्टिंग कार्य भी शुरू कर दिया गया है। यह सॉइल टेस्टिंग सबसे पहले वापी के पास दमन गंगा नदी में शुरू की गई है। बुलेट ट्रेन के ब्रिज बनाने से पहले यहां सॉइल टेस्टिंग शुरू की जा रही है। इस मार्ग में सूरत में ताप्ती नदी, वडोदरा में विश्वामित्री नदी जबकि भरूच में नर्मदा नदी है, जहां चरणबद्ध तरीके से यह परियोजना का 47% हिस्सा है। इसके लिए 19 अक्टूबर 2020 को टेक्निकल बिड खुली थी। 26 नवंबर को अनुबंध शुरू हुआ और चार वर्ष में काम पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया। अक्टूबर 2024 तक यह 237 किमी रूट तैयार करना है। गुजरात में अब तक 1396 हेक्टेयर जमीन में से 1035 हेक्टेयर जमीन मिल चुकी है।

1035 हेक्टेयर जमीन गुजरात में बुलेट ट्रेन के लिए मिल चुकी है।

सभी सर्वे के काम पूरे हुए, अगले महीने से पिलर बनाने की योजना

सर्वे का काम पूरा हो चुका। अब सिविल वर्क शुरू हो चुका है। मानसून में भी काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। सूरत के अंत्रोली और वक्ताणा गांव में 120 पाइल बन गए हैं। अगले महीने से यहां पिलर बनाने लगेंगे। सूरत, नवसारी, वलसाड, भरूच की कुल 90% जमीन हमने कॉन्ट्रैक्टर को सौंप दी है। अधिकारी लगातार हो रहे कामों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। **-सुषमा गौड़,** एजीएम, एनएचएसआरसीएल